गन्ने का एफआरपी 290 रुपये क्विंटल

संजीव मुखर्जी और एजेंसियां
नई दिल्ली, 25 अगस्त

केंद्र सरकार ने आज 2021-22 के नए विपणन सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी (एफआरपी) मूल्य पांच रुपये बढ़ाकर 290 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। हालांकि, इसके साथ ही सरकार ने चीनी के बिक्री मूल्य में तत्काल बढ़ोतरी से इनकार किया है। उल्लेखनीय है कि हर साल गन्ना पेराई सत्र शुरू होने से पहले केंद्र सरकार एफआरपी की घोषणा करती है। मिलों को यह न्यूनतम मूल्य गन्ना उत्पादकों को देना होता है।

मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की आज हुई बैठक में 2021-22 के विपणन वर्ष (अक्टूबर-सितंबर) के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य बढ़ाने का फैसला किया गया।

चालू विपणन वर्ष 2020-21 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 285 रुपये प्रति क्विंटल है।

पिछले वर्षों की भांति 10 प्रतिशत की मूल रिकवरी दर पर एफआरपी को बढ़ाकर 290 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

10 प्रतिशत से ऊपर प्रत्येक 0.1 प्रतिशत की वृद्धि पर 2.90 रुपये प्रति क्विंटल का प्रीमियम उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं रिकवरी में प्रति 0.1 प्रतिशत की कमी पर एफआरपी में 2.90 रुपये प्रति क्विंटल की कटौती होगी। रिकवरी 9.5 प्रतिशत से नीचे होने पर कोई कटौती नहीं की जाएगी।

- **सरकार ने चीनी की बिक्री मूल्य में इजाफा करने से किया इनकार**
- **एफआरपी को 10 प्रतिशत की रिकवरी दर से जोड़ा गया है**

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा 'ऐसे गन्ना किसानों को चालू गन्ना सत्र 2020-21 के 270.75 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय 2021-22 के गन्ना सत्र में 275.50 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिलेगा।'

रिकवरी दर गन्ने में मौजूद चीनी की मात्रा होती है और जिस गन्ने से अधिक मात्रा में चीनी प्राप्त होती है उसे बाजार में अधिक कीमत मिलती है। गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 1966 के मुताबिक एफआरपी वह न्यूनतम मूल्य होता है जिसका भुगतान मिलों को गन्ना किसानों को करना पड़ता है।

उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा जैसे कई बड़े गन्ना उत्पादक राज्य अपनी गन्ना दरों (राज्य परामर्श मूल्य या एसएपी) की घोषणा करते हैं। यह एफआरपी से अधिक होता है। कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) ने चीनी सत्र 2021-22 के लिए गन्ने की उत्पादन लागत 155 रुपये प्रति क्विंटल रहने का अनुमान लगाया है। 10 प्रतिशत की रिकवरी दर के हिसाब से 290 रुपये प्रति क्विंटल का भाव उत्पादन लागत पर 87 प्रतिशत अधिक है।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार एफआरपी में बढ़ोतरी के मद्देनजर चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) बढ़ाएगी, गोयल ने कहा कि ऐसा जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार चीनी का निर्यात बढ़ाने तथा एथनॉल के उत्पादन के लिए काफी समर्थन दे रही है।

15,000 करोड़ रुपये एफडीआई को मिली मंजूरी

निकुंज ओहरी
नई दिल्ली, 25 अगस्त

मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने फेयरफैक्स इंडिया की निवेश इकाई एंकरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंड होल्डिंग के 15,000 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

निवेश में बेंगलूरु इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीएआईएल) के शेयरों का एंकरेज को हस्तांतरण और प्रेम वत्स की मालिकाना वाली फेयरफैक्स इंडिया की निवेश इकाई में ओंटारियो इंक द्वारा 950 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। ओंटारियो इंक, ओएसी की पूर्ण सहायक इकाई है जो ओएमईआरएस का संचालन करती है। यह कनाडा के सबसे बड़े निश्चित लाभ वाली पेंशन योजनाओं में से एक है।